

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक-पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	कर्ण
शीर्षक	प्रतिभाशाली कर्ण
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	पाँच
कौशल	अभिनय, वाचन ,सहयोग
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ ,कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- *नाट्य-प्रस्तुति द्वारा विद्यार्थियों में अभिनय क्षमता विकसित हो सकेगा।
- * विद्यार्थियों में शुद्ध उच्चारण से वाक् कौशल का विकास हो सकेगा।
- * विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य विकसित हो सकेगा।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- * अध्यापिका कक्षा के विद्यार्थियों को पाँच- पाँच के समूह में विभाजित करेंगी ।
- *तत्पश्चात् अध्यापिका प्रत्येक समूह को महाभारत कथा के पात्र कर्ण के जीवन से जुड़ी विभिन्न विशिष्टताओं में से किसी एक विशेषता का चयन कर लघु नाटिका को तैयार करने का निर्देश देंगी ।
- *अध्यापिका प्रत्येक समूह को चयनित विषय पर कक्षा में नाट्य-प्रस्तुति के लिए कहेंगी ।
- *नाटिका का लिखित साक्ष्य अध्यापिका को देंगे ।
- *अंत में अध्यापिका उनके प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।
- * अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *अध्यापिका के निर्देशानुसार पाँच-पाँच की संख्या में विभक्त प्रत्येक समूह महाभारत कथा के पात्र कर्ण के जीवन से जुड़ी विभिन्न विशिष्टताओं में से किसी एक विशेषता का चयन कर लघु नाटिका को तैयार करेंगे।
- * प्रत्येक समूह चयनित विषय पर कक्षा में नाट्य-प्रस्तुति करेंगे ।
- * विद्यार्थी नाटिका का लिखित साक्ष्य अध्यापिका को देंगे ।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: कर्ण

गतिविधि : प्रतिभाशाली कर्ण

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न-1. एक ही व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार सकारात्मक भी होता है और वही व्यक्ति परिस्थितियां बदलने पर नकारात्मक भी हो जाता है। यथा कर्ण पूरी कथा में कभी निंदा का तो कभी प्रशंसा का पात्र बनता है। कभी उस पर दया आती है तो कभी भयंकर क्रोध भी आता है। नीचे लिखी तालिका में उन घटनाओं या परिस्थितियों को संक्षेप में लिखिए जब उसका बहुमुखी व्यक्तित्व उभर कर आता है।

“बहुमुखी प्रतिभावान कर्ण”

निंदा का पात्र	प्रशंसा का पात्र	दया आती है	क्रोध आता है

प्रश्न-2. कर्ण पर आधारित नाटिका के मंचन तथा तालिका पूर्ति के बाद आप कर्ण के चरित्र के विषय में कैसे विचार रखते हैं? उदाहरण देते हुए अपने शब्दों में समझाइए।
